## 6 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

| दिन | सत्र–1 | सत्र–2 | लंच | सत्र–3 | सत्र–4 |
|---|---|---|---|---|---|
| | 9:30–11:15 | 11:30–1:15 | | 2:15–3:45 | 4:00–5:30 |
| 1 | रजिष्ट्रेशन<br>सामग्री वितरण<br>परिचय<br>चेतना गीत<br>उद्घाटन<br>प्रशिक्षण से अपेक्षाएँ | प्रशिक्षण के बारें संक्षिप्त विवरण<br><br>**परिप्रेक्ष्य सत्र–1**<br>(भाग–1)<br>वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य एवं बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का मूल अधिकार<br>पर संवाद।<br>द्वारा–विडियों / नोट | 1:15 से 2:15 | **तकनीकी सत्र–1**<br>(विषय समूहों में)<br>विषय की प्रकृति एवं सीखने की प्रक्रिया | **तकनीकी सत्र–2**<br>(विषय समूहों में)<br>पाठ्यक्रम एवं पाठ्यक्रमणीय उद्देश्य |
| 2 | चेतना गीत / बालगीत<br><br>**परिप्रेक्ष्य सत्र–2**<br>(भाग–1)<br>गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उपयुक्त पाठ्यक्रम एवं प्राथमिक शिक्षा की विधियाँ व बालकेन्द्रित शिक्षण पद्वति।<br>द्वारा–विडियों / नोट | **तकनीकी सत्र–3**<br>(विषय समूहों में–प्रथम विषय)<br>शिक्षण की प्रमुख चुनौतियाँ एवं विषय में बालकेन्द्रित शिक्षण प्रक्रिया। | | **तकनीकी सत्र–4**<br>(विषय समूहों में)<br>सीसीई स्कीम एव दस्तावेजों को समझना। | **तकनीकी सत्र–5**<br>(विषय समूहों में)<br>शिक्षण नियोजन एवं प्रक्रिया |
| 3. | चेतना गीत / बालगीत<br><br>**परिप्रेक्ष्य सत्र–3**<br>(भाग–1)<br>आकलन एवं मूल्यांकन की प्रक्रियाएँ एवं पाठ्यक्रम, शिक्षण एवं आकलन में संगतता।<br>द्वारा–विडियों / नोट | **तकनीकी सत्र–6**<br>(विषय समूहों में)<br>विषय में सतत एवं व्यापक आकलन प्रक्रिया। | | **तकनीकी सत्र–7**<br>(विषय समूहों में)<br>विषय में रचनात्मक एवं योगात्मक आकलन प्रक्रिया। | **तकनीकी सत्र–8**<br>(विषय समूहों में)<br>रचनात्मक एवं योगात्मक आकलन के लिए टूल एवं प्रपत्र निर्माण।<br>प्रशिक्षण का फीडबैक लेना। |

*नोट*– **प्रशिक्षण के तीन दिन उपरान्त शिक्षक साथी समूह अनुसार अपने दूसरे विषय का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगें। जिन विषयों के मध्य यह बदलाव किया जाना है वह हैं :– ''अंग्रेजी⇆गणित'' एवं ''हिन्दी⇆पर्यावरण अध्ययन''।**

| दिन | सत्र–1 | सत्र–2 | लंच | सत्र–3 | सत्र–4 |
|---|---|---|---|---|---|
| | 9:30–11:15 | 11:30–1:15 | | 2:15–3:45 | 4:00–5:30 |
| 4 | चेतना गीत/बालगीत<br>**परिप्रेक्ष्य सत्र–4** (भाग–2)<br>विषयों में कला एवं संगीत का समावेश | **तकनीकी सत्र–9**<br>(विषय समूहों में–द्वितीय विषय)<br>विषय की प्रकृति एवं सीखने की प्रक्रिया। | | **तकनीकी सत्र–10**<br>(विषय समूहों में)<br>पाठ्यक्रम एवं पाठ्यक्रमणीय उद्देश्य। | **तकनीकी सत्र–11**<br>(विषय समूहों में)<br>शिक्षण की प्रमुख चुनौतियाँ एवं विषय में बालकेन्द्रित शिक्षण प्रक्रिया। |
| 5. | चेतना गीत/बालगीत<br>**परिप्रेक्ष्य सत्र–5** (भाग–2)<br>प्रारंभिक शिक्षा में बालिकाओं की शिक्षा एवं जेण्डर सम्बन्धित मुद्दों पर संवाद | **तकनीकी सत्र–12**<br>(विषय समूहों में)<br>शिक्षण नियोजन एवं प्रक्रिया | 1:15 से 2:15 | **तकनीकी सत्र–13**<br>(विषय समूहों में)<br>विषय में सीसीई प्रक्रिया को समझना। | **तकनीकी सत्र–14**<br>(विषय समूहों में)<br>विषय में रचनात्मक एवं योगात्मक आकलन प्रक्रिया। |
| 6 | चेतना गीत/बालगीत<br>**परिप्रेक्ष्य सत्र–6** (भाग–2)<br>दिव्यांग बच्चों के साथ काम करने की प्रक्रिया को समझना। | **तकनीकी सत्र–15**<br>(विषय समूहों में)<br>रचनात्मक एवं योगात्मक आकलन के लिए टूल एवं प्रपत्र निर्माण। | | **तकनीकी सत्र–16**<br>(विषय समूहों में)<br>प्रशिक्षण में किये कार्य का पुनः सिंहावलाकन एवं सीसीपी व सीसीई पर शेष रहे कार्य को पूरा करना।<br>प्रशिक्षण का विषय आधारित फीडबैक लेना। | सामूहिक सत्र<br>प्रशिक्षण का समापन। |

**नोट** : परिप्रेक्ष्य सत्रों का संचालन प्रशिक्षण शिविर की विशेष परिस्थिति के अनुसार किया जा सकता है। अर्थात् उन्हें या तो सामूहिक रूप से एक जगह, दो समूहों में अथवा चार विषयगत समूहों में सम्पन्न किया जा सकता है।